Dhanwantari International Health Care & Research Center Pvt. Ltd

Manufacturer & Supplier of Ayurvedic Proprietary classical Medicines
DHAKA ROAD, MOTIHARI-845401
www.dhanwantariindia.com Contact: +91-9835055808

THERAPEUTIC INDEX

FOR THE USE OF REGISTERED MEDICAL PRACTITIONER AND DEALER

Dhanwantari International Health Care & Research Center Pvt. Ltd. with a good range of Ayurvedic Products is dedicated to health services. On the strength of quality and fair dealing, it is forwarding towards an ideal status. Your satisfaction and co-operation is our motto.

क्र सं	दवाओं का नाम	ग्रंथाधिकार	मात्रा	रोगों का नाम, लक्षण, एवं उपयोग
1	गैसान्तक चूर्ण™	पेटेन्ट औषधि	1 से 2 चाय चम्मच	पेट दर्द, गैस बनना, पेट फूलना, बार-बार पेट से गैस निकलना, अपच, बदहजमी, भूख की कमी, एसिडिटी, गैस्टि एवं पेप्टिक अल्सर में। पानी के साथ
2	उदारामृत चूर्ण™	पेटेन्ट औषधि	1 से 2 चाय चम्मच	कब्ज बवासीर एवं कब्ज जन्य अन्य किसी भी बीमारी में। गरम पानी के साथ।
3	बेल भुस्सी	पेटेन्ट औषधि	1 से 2 चाय चम्मच 2 से 3 बार	पेट में आंव बनना, मरोड़, पेचिस, प्रवाहिका, बार बार पतला पखाना होना, दर्द के साथ, खून के साथ, बार बार पखाना होना। पानी के साथ।
4	त्रिफला चूर्ण	र० सा० सि० प्र० सं०	1 से 2 चाय चम्मच	पांडु, प्रमेह, मुत्र का गदलापन, शोथ, अग्निमांद, नेत्र, ज्योति की कमी, बाल झड़ना, साधारण कब्ज, पेट में गर्मी तथा त्रिदोष जन्य बीमारी में। पानी के साथ।
5	सितोपलादि चूर्ण	र० सा० सि० प्र० सं०	1/2 से 1 चाय चम्मच	श्वास कास, खासी, हाथ पैर में जलन, पसली का दर्द, ज्वर, बच्चों का सुखा रोग, बिगड़े जुकाम, शरीर में थकावट, सिरदर्द आदि में विशेष लाभप्रद। मधु के साथ।
6	हिंगवाष्टक चूर्ण	र० सा० सि० प्र० सं०	1 से 2 चाय चम्मच	वायु विकार एवं अग्निमांध नाशक प्रथम कवल में घी से
7	लवण भास्कर चूर्ण	र० सा० सि० प्र० सं०	1 से 2 चाय चम्मच	उदर रोग, क्षुधा नाश, अरुचि, अपच निवारक
8	पंचसकार चूर्ण	र० सा० सि० प्र० सं०	1 से 2 चाय चम्मच रात में सोते समय	उत्तम शक्तिवर्धक, पाचन संस्थान, श्वशन संस्थान, हृदय, मस्तिष्क एवं प्रजनन संस्थान को मजबूत बनाता है, सभी आयु के व्यक्तियों को उपयोग करना चाहिए।
9	गोदन्ती भस्म	र० सा० सि० प्र० सं०	125 mg से 300 mg	पित्तज्वर, जीर्णज्वर, श्वाश, कास, शरीर में दर्द एवं साधारण प्रतिष्याय में उपयोगी।
10	शंख भस्म	र० सा० सि० प्र० सं०	250 mg से 500 mg	अम्लपित, ग्रहणी, परिणमशूल, युवावस्था के कारण मुँह में पफुंसी निकलना, अतिसार, गुल्मरोग, वमन, हिम्का रोग।
11	मण्डूर भस्म	र० सा० सि० प्र० सं०	125 mg से 500 mg	भयंकर सर्वांगीण शोथ, अर्श, ग्रहणी, प्लीहा तथा पांडु रोग में।

12	अभ्रक भस्म	र० सा० सि० प्र० सं०	125 mg से 250 mg	साधारण ज्वर, जिर्णज्वर, रक्तपित्त, अर्श, पांडु, क्षय, शुक्र की कमी, हृदयरोग, कफरोग, कास, श्वासरोग।
13	लौह भस्म	र० सा० सि० प्र० सं०	125 mg से 250 mg	गुल्म, प्लीहारोग, उदरकृमी, पांडुरोग, मेदारोग, प्रमेह, बवासीर, श्वासरोग।
14	बराटिका भस्म	र० सा० सि० प्र० सं०	250 mg	परिणामशूल, ग्रहणी, ऑत के क्षय की बीमारी, कन्ठमाला, अपच, बाल, फोड़ा, व्रणरोग, कर्ण स्राव।
15	सुक्तिका भस्म	र० सा० सि० प्र० सं०	250 mg	प्लीहा, उदररोग, मूत्र, शर्करा, श्वासरोग, अरुची, उदरशूल, अम्लपित्त।
16	टंकण भस्म	र० सा० सि० प्र० सं०	125 mg से 250 mg	कफरोग, हृदयरोग, वायुरोग, विष के कफ, कफजन्यरोग, श्वासरोग, विषरोग, अग्निमांद, यकृत, प्लीहा, अधमान रोग।
17	प्रवाल भस्म	र० सा० सि० प्र० सं०	125 mg से 250 mg	पचन की कमी, षडधतु की कमी, दृष्टिरोग, त्रिदोषरोग, क्षयरोग, रक्तपित्त, अधिक पसीना निकलना, राजयक्ष्मा, मंदज्वर, शरीर में वनज की कमी, श्वास कास, रक्त निकलना, स्तनपान, कराने वाली महिलाओं के लिए उपयोगी।
18	ताम्र भस्म	र० सा० सि० प्र० सं०	32 mg से 63 mg	शरीर का मोटापा, कफज विकार, ज्वर, व्रण, विषदोष, उदरकृमी, रक्त का दोष, औषधियों के निर्माण में वमन रोग, यकृत, प्लीहारोग, जीवाणुजन्य रोगों में।
19	काशीस भस्म	र० सा० सि० प्र० सं०	10 mg से 125 mg	वातश्लेष्मक रोग, मूत्रकृक्ष, कण्डु, उदरकृमी, शिवत्रकुष्ठरोग में।
20	स्फटिक भस्म	र० सा० सि० प्र० सं०	125 mg से 250 mg	वत प्रकोपजन्य बीमारी, ज्वर, दाह, प्यास लगना, रक्तपित्त, बल की कमी।
21	मृग श्रृंग भस्म	र० सा० सि० प्र० सं०	250 mg	हृदयशूल, पार्श्वशूल, हिस्सारोग, श्वासरोग।
22	योगराज गुग्गुल	र० सा० सि० प्र० सं०	1 से 2 गोली 2 बार पानी से	वातरोग, आपवात, जोड़ो का दर्द निवारक
23	सिंहनाद गुग्गुल	र० सा० सि० प्र० सं०	1 से 2 गोली 2 बार पानी से	आमवात, गठिया, जोड़ों का सूजन नाशक
24	कैशोर गुग्गुल	र० सा० सि० प्र० सं०	1 से 2 गोली 2 बार पानी से	व्रण, कुष्ठ चर्मरोग नाशक
25	कांचनार गुग्गुल	र० सा० सि० प्र० सं०	1 से 2 गोली 2 बार पानी से	कण्ठमाला, अपची, थायराइड प्रॉब्लेम
26	चन्द्र प्रभा बटी	र० सा० सि० प्र० सं०	1 से 2 गोली 2 बार दूध/पानी से	प्रमेह, मूत्र विकार, सामान्य दुर्बलता नाशक
27	रजः प्रवर्तिनी बटी	र० सा० सि० प्र० सं०	1 से 2 गोली 2 बार दूध/पानी से	स्त्रीयोचित बीमारी, रजः कृच्छ, रजोरोधनाशक
28	हरिद्राखण्ड	र० सा० सि० प्र० सं०	1 से 2 चाय चम्मच पानी से	शीतपित्त, कृमिजन्य रोग, एलर्जी निवारक